

प्रेषक,

डॉ० उमाकान्त पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 7 फरवरी, 2014

विषय:- पुर्नविनियोग की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-3106/सं0नि0उ0/दो-3/2013-14 दिनांक 09 जनवरी, 2014 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि संस्कृति निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून तथा संस्कृति भवन (प्रेक्षागृह), पौड़ी तथा भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय, अल्मोड़ा एवं देहरादून में कार्यरत कर्मियों को वित्तीय स्तरान्तरण स्वीकृत होने के फलस्वरूप विभिन्न मानक मदों में ₹16.89 लाख (सोलह लाख नवासी हजार) मात्र की धनराशि संलग्न बी0एम0-09 के अनुसार पुर्नविनियोग के माध्यम से, आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। पूर्व जारी शासनादेशों एवं अन्य निर्धारित नियमों के दृष्टिगत कहीं कोई विसंगति की स्थिति संज्ञान में आती है, तो तत्काल प्रकरण पर शासन का मार्गदर्शन प्राप्त किया जाये।

3- धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया जाय। धनराशि का आहरण/व्यय मासिक व्यय की सारिणी बनाकर यथाआवश्यकता नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

4- उक्त आवंटित धनराशि की व्यय की संकलित सूचना बी0एम0-13 पर प्रतिमाह अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी जाय।

5- धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निदेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

6- उक्त धनराशि का आहरण/व्यय शासन द्वारा समय-समय पर दिये गये निर्देशों के अनुरूप नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

7- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-सांस्कृतिक कार्य निदेशालय-00 तथा अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-101-ललित कला शिक्षा-03-भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय-00 के विभिन्न मानक मदों में आयोजनेत्तर पक्ष में संलग्न बी0एम0-09 के कॉलम-1 में इंगित बचतों से वहन किया जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-66(NP)/XXVII(3)/2013-14 दिनांक: 11 फरवरी, 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक- यथोपरि।

भवदीय

(डॉ० उमाकान्त पंवार)
सचिव।

प्रुष्टांकन संख्या 31 / VI-2 / 2014-71(17)2012 टी0सी0 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- प्रधान महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 संस्कृति मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 6- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सूर्य मोहन नौटियाल)
अपर सचिव।